गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 171
दि. 20.10.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

अयोध्या में दीपों का सागर, गूंजा 'जय श्रीराम' का उद्घोष, इतिहास में दर्ज हुआ 9वां दीपोत्सव

(जीएनएस)। अयोध्या। दीपों की नगरी अयोध्या एक बार फिर प्रकाश, भक्ति और भव्यता के अद्भुत संगम में नहाई जब नौवां दीपोत्सव विश्व रिकॉर्डों की नई गाथा लिख गया। सरयू के तट पर सजे 56 घाटों पर 28 लाख दीपों की जगमगाहट ने मानो स्वर्ग को धरती पर उतार दिया। इनमें से 26 लाख 17 हजार 215 दीप एक साथ प्रज्वलित कर अयोध्या ने एक बार फिर विश्व को दिखा दिया कि श्रद्धा जब संकल्प बन जाए, तो इतिहास झुक जाता है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम इस क्षण की साक्षी बनी और उसने घोषणा की कि यह आयोजन "दुनिया का सबसे बड़ा दीप प्रज्वलन समारोह" है। रामलला की जन्मभूमि से निकली यह रोशनी केवल सरयू तट तक सीमित नहीं रही — इसने हर उस हृदय को आलोकित किया जो श्रीराम के आदर्शों में विश्वास रखता है।

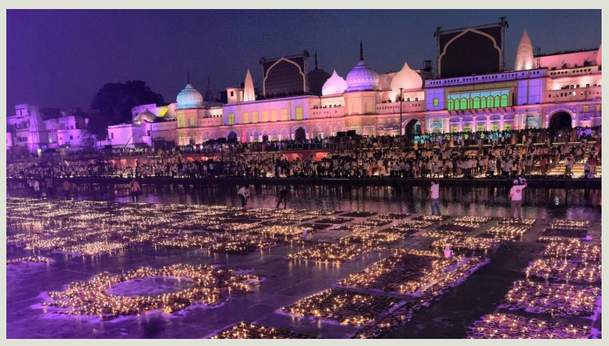

इसी दीपोत्सव में एक और अभूतपूर्व अध्याय जुड़ा जब 2,128 अर्चकों ने एक साथ सरयू आरती कर दूसरा गिनीज रिकॉर्ड बनाया। मंत्रों की अनुगूंज, शंखनाद और आर्तियों की लयबद्ध स्वरध्वनि से पूरा अयोध्या धधकते हुए दीप की भांति आलोकित हो उठा। ऊपर आसमान में 1100 ड्रोन से बने प्रकाश-चित्रों ने रामायण की झलकियों को आकाश पर उकेरा — सीता स्वयंवर, वनवास, सेतुबंध और रामराज्य के दृश्य उपस्थित लोगों की आँखों में अमिट बन गए।

रामलला का मंदिर पुष्पों से सुसज्जित था और पूरे परिसर में दीपों की कतारें ऐसे बिछी थीं मानो प्रत्येक दीप किसी युग की कहानी कह रहा हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं रामलला की आरती में शामिल हुए, और पुष्पक विमान रूपी हेलीकॉप्टर से राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के स्वरूपों का स्वागत कर अयोध्या की परंपरा को सजीव कर दिया।

इस आयोजन में लगभग 33,000 स्वयंसेवकों ने तन-मन से भाग लिया। उन्होंने दिनभर दीपों को सजाने, तेल-बाती भरने और पंक्तिबद्ध करने का कार्य किया। जैसे ही सूर्य अस्त हुआ, एक साथ लाखों दीपों ने जीवन पा लिया — और सरयू का जल स्वयं को तारों से भरे आकाश की तरह चमकाने लगा।

देश और विदेश से आए हजारों श्रद्धालु इस अद्भुत दृश्य के साक्षी बने। रंगोलियों, पुष्प सज्जा, संगीत और वैदिक मंत्रों की गूंज के बीच जब सीएम योगी ने रामकथा पार्क में श्रीराम का राजतिलक किया, तो मानो त्रेता युग लौट आया।

अयोध्या का यह दीपोत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं रहा, यह समर्पण, संस्कृति और आस्था का जीवंत प्रतीक बन गया है — एक ऐसा आलोक जो हर भारतीय के हृदय में 'जय श्रीराम' की गूंज के

दीवाली और छठ पर रेलवे की बड़ी पहल, 1,702 स्पेशल ट्रेनें चलाकर घर लौटेंगे लाखों यात्री

(जीएनएस)। नई दिल्ली। देशभर में दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर भारतीय रेलवे ने यात्रियों को सुरक्षित और सुगमता से घर पहुंचाने के लिए अब तक का सबसे बड़ा अभियान शुरू किया है। सेंट्रल रेलवे ने इस त्योहारी सीजन में कुल 1,702 स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है, जिससे लाखों यात्रियों को अपने घर पहुंचने में सुविधा होगी।

सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल निला ने बताया कि इन ट्रेनों में सबसे अधिक 800 से ज़्यादा ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों की ओर चलाई जा रही हैं। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, पुणे, नागपुर और कोल्हापुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से इन ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान यह ट्रेनों का नेटवर्क उत्तर और पूर्व भारत के शहरों को पश्चिम भारत से जोड़ने वाली जीवनरेखा बन गया है।

भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने बड़े स्टेशनों पर अस्थायी वेटिंग एरिया बनाए हैं, जिनमें 3,000 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है। इन क्षेत्रों में पेयजल, भोजन, शौचालय और पंखों जैसी सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही, टिकट बुकिंग के लिए अतिरिक्त काउंटर और मोबाइल UTS सेवा शुरू की गई है ताकि लंबी कतारों और अव्यवस्था से बचा

जा सके।

रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया है। स्टेशनों पर अतिरिक्त आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही, सोशल मीडिया पर पुराने या भ्रामक वीडियो साझा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। अब तक 20 से अधिक फेक अकाउंट्स की पहचान की जा चुकी है और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 24 घंटे सक्रिय सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम भी बनाई गई है ताकि अफवाहों पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सके।

उधर, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे ने भी त्योहारों के लिए 44 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं, जो मुंबई, पुणे, हावड़ा और बिहार के आसपास के क्षेत्रों के लिए हैं। इसके अलावा 60 नियमित ट्रेनों में 174 अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं ताकि अधिकतम यात्रियों को जगह मिल सके। जयपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर नए वेटिंग एरिया बनाए गए हैं ताकि प्लेटफॉर्म पर भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

त्योहारी माहौल में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है, पर इन तैयारियों ने राहत दी है। देश के अलग-अलग हिस्सों से कामकाजी लोग, विद्यार्थी और परिवारजन अब अपने गांवों की ओर रवाना हो रहे हैं। दीपावली की रोशनी और छठ की अरुणिमा के साथ यह सफर हर भारतीय यात्री के लिए अपनेपन और परंपरा से भरा एक उत्सव बन गया है।

117 साल पुराने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज की अंतिम दिवाली, ढलते इतिहास की आखिरी चमक

(जीएनएस)। कोलकाता। कभी देश के वित्तीय इतिहास की धड़कन रहा कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (CSE) अब अपने अस्तित्व की अंतिम दीपावली मनाने की तैयारी में है। 1908 में स्थापित यह संस्थान, जिसने कभी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) को चुनौती दी थी, अब स्वैच्छिक रूप से स्टॉक एक्सचेंज के रूप में अपने संचालन को बंद करने जा रहा है। इस वर्ष 20 अक्टूबर को जब एक्सचेंज भवन में मां लक्ष्मी की पूजा होगी, तो वह परंपरा के साथ-साथ 117 साल पुराने गौरवशाली युग की विदाई का क्षण भी होगा।

CSE के चेयरमैन दीपांकर बोस ने पुष्टि की कि 25 अप्रैल 2025 को आयोजित विशेष आमसभा (EOGM) में शेयरधारकों ने स्वैच्छिक बाहर निकलने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। अब केवल औपचारिक प्रक्रिया शेष है, जिसके बाद यह एक्सचेंज एक होल्डिंग कंपनी के रूप में कार्य करेगा। इसकी सहायक इकाई, CSE कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड, NSE और BSE की सदस्यता के तहत ब्रोकिंग कारोबार जारी रखेगी।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने एक्सचेंज की लगभग तीन एकड़ भूमि को 253 करोड़ में बेचने की अनुमति दी है। इससे प्राप्त राशि से कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति पैकेज और बकाया देनदारियों का निपटान किया जाएगा। CSE ने अपने सभी कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (VRS) की पेशकश की थी, जिसके तहत 20.95 करोड़ का भुगतान किया गया। अधिकांश कर्मचारियों ने योजना स्वीकार कर ली, जबकि कुछ को अनुबंध के आधार पर रखा गया है ताकि अंतिम औपचारिकताओं को पूरा किया जा सके।

कभी कोलकाता की वित्तीय साख और पूर्वी भारत के निवेशकों का केंद्र माना जाने वाला यह एक्सचेंज, केतन पारेख घोटाले के बाद धीरे-धीरे ढलान पर चला गया। 2001 में 120 करोड़ के इस घोटाले ने एक्सचेंज की साख को गहरा आघात पहुंचाया, जब भुगतान संकट के कारण कई ब्रोकर्स सेटलमेंट नहीं कर पाए। निवेशकों का विश्वास डगमगाया, और नियामक सख्त हुए। अंततः अप्रैल 2013 में SEBI ने CSE में ट्रेडिंग को नॉन-कॉम्प्लायंस के चलते निलंबित कर दिया।

फिर भी, एक समय था जब कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज में निवेश की घंटी बजना आर्थिक समृद्धि का प्रतीक माना जाता था। यहाँ 1,700 से अधिक कंपनियाँ सूचीबद्ध थीं और 650 से अधिक ट्रेडिंग मेंबर सक्रिय थे। बंगाल के व्यापारिक घराने और वित्तीय संस्थान अपनी पहचान इस एक्सचेंज से जोड़ते थे।

अब जब दीपावली पर मां लक्ष्मी की आराधना के बाद दीप जलेंगे, तो वरिष्ठ ब्रोकर्स और कर्मचारियों की आँखें नम होंगी। वर्षों तक चली उस परंपरा का समापन होगा, जिसमें हर साल दीपावली की सुबह ट्रेडिंग शुरू होने से पहले विशेष पूजन होता था। इस बार पूजा तो होगी, पर ट्रेडिंग नहीं — केवल यादें और भावनाएँ होंगी।

117 साल पुराना यह संस्थान अब इतिहास का हिस्सा बनने जा रहा है। एक युग समाप्त हो रहा है — वह युग जब कोलकाता भारत की वित्तीय राजधानी हुआ करता था, और कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज उसकी धड़कन। आने वाले वर्षों में यह भवन शायद किसी और रूप में कार्य करे, पर इसकी दीवारों में अब भी गूंजेगी वह आवाज़ — "ट्रेड ओपन हुआ!" — जो कभी कोलकाता की आर्थिक आत्मा का प्रतीक थी।

बंगाल में फर्जी पासपोर्ट रैकेट का बड़ा खुलासा: 400 बांग्लादेशियों को भारतीय नागरिक बनाकर बेचा देश का पहचान तंत्र, ईडी की जांच में 2 करोड़ से अधिक का लेन-देन उजागर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी गहन जांच में एक ऐसे संगठित रैकेट का पर्दाफाश किया है, जिसने सरकारी व्यवस्था के भीतर सेंध लगाकर करीब 400 बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय नागरिक बना दिया और उन्हें भारतीय पासपोर्ट तक दिला दिए। यह खुलासा न केवल सीमा पार अपराध का संकेत देता है, बल्कि इस बात का प्रमाण भी है कि देश की पहचान प्रणाली कितनी आसानी से अपराधियों के कब्जे में लाई जा सकती है।

ईडी की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे गिरोह का संचालन पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चकदाहा क्षेत्र से किया जा रहा था। एजेंसी ने यहां से मुख्य आरोपी इंदु भूषण को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से इस नेटवर्क का हिस्सा था और फर्जी पहचान बनाने का पूरा सेटअप चला रहा था। हैरानी की बात यह है कि यह व्यक्ति एक पाकिस्तानी नागरिक आज़ाद मलिक का सहयोगी था, जिसे पहले ही इसी मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। आज़ाद मलिक ने भारत में रहकर अपने और कई अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के लिए झूठे भारतीय दस्तावेज़ तैयार करवाए थे। ईडी को अब तक मिले साक्ष्यों से यह पता चला है कि इस रैकेट के जरिए अब तक लगभग 2 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन हुआ है। प्रत्येक व्यक्ति से भारतीय पहचान और

पासपोर्ट तैयार करवाने के लिए औसतन 5 लाख रुपये लिए जाते थे। यह रकम नकद और डिजिटल दोनों माध्यमों से वसूली जाती थी, ताकि ट्रैकिंग मुश्किल हो जाए। इंदु भूषण ने इस पूरे खेल के लिए कई साइबर कैफे, कंप्यूटर ऑपरेटर और स्थानीय एजेंटों की मदद ली थी। जांच में यह भी सामने आया है कि पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया में कुछ सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत भी रही है, जिन्होंने दस्तावेज़ों की जांच को जानबूझकर नज़रअंदाज़ किया। फर्जी पासपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया बेहद सुनियोजित थी। सबसे पहले बांग्लादेशी नागरिकों के नाम से फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड बनाए जाते थे। उसके बाद इन्हीं कागज़ों के आधार पर वोटर लिस्ट में उनका नाम शामिल करवाया जाता था, जिससे वे आधिकारिक रूप से "भारतीय नागरिक" बन जाते थे। इसके बाद फर्जी पते और दस्तावेजों की सहायता से पासपोर्ट आवेदन भरा जाता और स्थानीय डाकघर में मौजूद कुछ कर्मचारियों की सहायता से उन्हें बिना जांच के पासपोर्ट सौंप दिया जाता था।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि रैकेट में शामिल आरोपी लोग सीमावर्ती जिलों में सक्रिय थे और उनके पास बांग्लादेश से अवैध रूप से आने वाले लोगों की एक पूरी सूची होती थी। जैसे ही कोई नया व्यक्ति सीमा पार कर भारत में आता, इस नेटवर्क के एजेंट उससे संपर्क करते और पांच से सात लाख रुपये लेकर उसे "भारतीय नागरिक" बना देते। इस पूरी प्रक्रिया में कई महीनों तक काम किया जाता ताकि सब कुछ असली लगे। नकली दस्तावेजों की ऐसी गुणवत्ता थी कि पहली नजर में वे सरकारी प्रमाणपत्रों से अलग पहचानना लगभग असंभव था।

शनिवार को ईडी ने इंदु भूषण को स्थानीय अदालत में पेश किया, जहां से उसे 27 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अदालत में ईडी के वकीलों ने कहा कि इस नेटवर्क के तार सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसका विस्तार असम, झारखंड, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तक फैला हो सकता है। एजेंसी अब उन सरकारी अधिकारियों की भी पहचान कर रही है, जिनकी मदद से फर्जी पासपोर्ट बिना उचित सत्यापन के जारी किए गए। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस रैकेट का इस्तेमाल सिर्फ अवैध प्रवास तक सीमित नहीं, बल्कि जासूसी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए भी किया जा सकता है। ईडी ने इस मामले को गृह मंत्रालय को रिपोर्ट किया है, जिसके बाद केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को भी जांच में शामिल कर लिया गया है। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) को भी इस रैकेट से जुड़े अंतरराष्ट्रीय लिंक की जांच करने के लिए कहा गया है। इस खुलासे के बाद एक बार फिर यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या देश की पहचान और पासपोर्ट प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है। जिस सहजता से बांग्लादेशी नागरिक भारतीय पासपोर्ट हासिल कर लेते हैं, वह इस व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाता है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने कोलकाता के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से भी सभी रिकॉर्ड जब्त कर लिए हैं और वहां कार्यरत कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है।

ट्रंप का कोलंबिया पर सीधा हमला: राष्ट्रपति पेट्रो को बताया 'ड्रग तस्कर', अमेरिका ने दी कड़ी चेतावनी "अगर कार्रवाई नहीं हुई तो हम खुद करेंगे"

वॉशिंगटन। अमेरिकी राजनीति में फिर से भूचाल आ गया है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपने तीखे बयानों से अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में हलचल मचा दी है। इस बार उनका निशाना बना दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया और उसके राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि पेट्रो स्वयं ड्रग तस्करों के सहयोगी हैं और उनके शासनकाल में कोलंबिया नशे की खेती का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में दिए गए बयान में ट्रंप ने कहा कि अगर कोलंबिया सरकार ने तुरंत कदम नहीं उठाए, तो अमेरिका खुद हस्तक्षेप करेगा — "और वह हस्तक्षेप शांतिपूर्ण नहीं होगा।"

ट्रंप ने कहा कि कोलंबिया को अमेरिका से हर साल करोड़ों डॉलर की सहायता और सब्सिडी दी जाती है ताकि वह नशीले पदार्थों की खेती और तस्करी को रोक सके, लेकिन राष्ट्रपति पेट्रो ने इस धन का दुरुपयोग किया है। उन्होंने कहा, "गुस्तावो पेट्रो ने अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे से ड्रग माफिया को मज़बूत किया। यह अमेरिका के साथ धोखा है। अगर वे नहीं रुकते तो हम खुद रुकवाएंगे — और अच्छे तरीके से नहीं।" ट्रंप के इस बयान को अमेरिकी राजनीतिक हलकों में "घोषणा-जैसी चेतावनी" बताया जा रहा है, जिसने वाशिंगटन और बोगोटा दोनों में हड़कंप मचा दिया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने भी हाल के हफ्तों में राष्ट्रपति पेट्रो के प्रति अपना रुख सख्त किया है। जानकारी के अनुसार, अमेरिका ने पेट्रो का राजनयिक वीज़ा रद्द कर दिया है। यह फैसला उस समय आया जब पेट्रो संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे। वहाँ उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से अपील की थी कि वे ट्रंप के आदेशों का पालन न करें और "दुनिया को एक व्यक्ति की सनक से बचाएं।" इस बयान के बाद अमेरिकी प्रशासन ने इसे "राजनीतिक हस्तक्षेप" करार देते हुए कड़ा विरोध जताया था।

इस बीच, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक और दावा किया कि अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में एक "नार्को-सबमरीन" (ड्रग तस्करी करने वाली पनडुब्बी) को नष्ट कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि इस अभियान में दो आतंकवादी मारे गए और दो को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने लिखा, "इस एक मिशन ने कम से कम 25,000 अमेरिकी नागरिकों की जान बचाई। यह वही ड्रग नेटवर्क है जिसे पेट्रो की सरकार ने पनपने दिया।" हालांकि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने इस संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कोलंबिया की ओर से राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस आरोप पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि "अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति के आरोप न तो तथ्यों पर आधारित हैं और न ही किसी जांच पर।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि कोलंबिया में जो भी अपराधी पकड़े गए हैं, उन पर कानून के तहत मुकदमा चलाया जाएगा और किसी भी विदेशी ताकत को देश की न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी। पेट्रो ने कहा, "कोलंबिया एक स्वतंत्र गणराज्य है। हमें किसी के आदेश की ज़रूरत नहीं।"

संपादकीय

दिल्ली में प्रदूषण

दिवाली उत्सव पर प्रतिवर्ष की जाने वाली आतिशबाज़ी से गंभीर वायु प्रदूषण उत्पन्न होता है। इसे कम करने के लिए इस साल दिल्ली सरकार ने दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश दके जरिये मौसम का मिज़ाज बदलने की योजना बनाई है, जिससे खरीफ फसलों की कटाई-गहाई और रबी की बुआई पर असर पड़ने की आशंका है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकती है।

पिछले छह दशक से देश की खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार किसानों से धान और गेहूं खरीदती है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत योगदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों का रहा है, जहां अभी अक्तूबर-नवंबर महीने में खरीफ फसलों—धान, ज्वार, बाजरा, मूंग, अरहर, कपास आदि की कटाई-गहाई और रबी फसलों—गेहूं, जौ, चना, सरसों, मसूर, आलू आदि की बुआई चल रही है, जिसके लिए बिना बारिश वाला सूखा मौसम अति आवश्यक है।

निस्संदेह, जब किसान खरीफ फसलों की उपज समेटने और रबी की बुआई में व्यस्त हैं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों की कृषि उपज विपणन मंडियां अनाज से भरी हुई हैं, तब दिल्ली सरकार द्वारा दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश करवाने की योजना अव्यावहारिक है जिससे किसान का नुकसान भी हो सकता है। ऐसे समय की जाने वाली कृत्रिम बारिश के चलते किसानों की खरीफ फसल उपज और मंडियों में अनाज की बर्बादी तथा बुआई की गई फसलों के खराब होने की संभावना रहेगी।

उल्लेखनीय है कि सामान्य प्राकृतिक वर्षा तब होती है जब सूरज की गर्मी से नम हवा गर्म और हल्की होकर ऊपर उठती है। ऊपर उठी हुई हवा का दबाव कम हो जाता है और आसमान में एक ऊंचाई पर पहुंचने के बाद वह ठंडी हो जाती है। जब इस हवा में सघनता बढ़ जाती है तो वर्षा की बूंदें बड़ी होकर हवा में देर तक नहीं ठहर पातीं और बारिश के रूप में नीचे गिरने लगती हैं। लेकिन कृत्रिम वर्षा करने के लिए सिल्वर आयोडाइड और सूखी बर्फ जैसे ठंडा करने वाले रसायनों का प्रयोग करके कृत्रिम बादल बनाकर वर्षा करवाई जाती है।

मानव-निर्मित गतिविधियों के जरिये कृत्रिम बादल बनाने और फिर उनसे वर्षा कराने की क्रिया को 'क्लाउड सीडिंग' कहा जाता है। हालांकि, क्लाउड सीडिंग के कई फायदे हैं, लेकिन मौसम परिवर्तन की यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इसके नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों में जल और वायु प्रदूषण, पारिस्थितिक तंत्र का विघटन, असामान्य मौसम परिवर्तन और मिट्टी व पानी में रसायनों का जमाव शामिल है। इसके उपयोग से सिल्वर आयोडाइड जैसे हानिकारक रसायन हवा, पानी और मिट्टी में मिल सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं, और पड़ोसी क्षेत्रों में वर्षा में कमी या अत्यधिक वर्षा व बाढ़ जैसे दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। कृत्रिम वर्षा से प्राकृतिक मौसम चक्र बाधित हो सकता है, जिससे अप्रत्याशित सूखा या अति वर्षा की स्थिति बन सकती है और किसानों व पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। मौसम के संतुलन में बदलाव के दीर्घकालिक अवांछित प्रभाव हो सकते हैं, जिन्हें अभी मौसम वैज्ञानिक पूरी तरह समझ नहीं पाए।

राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लगभग पूरे वर्ष बना रहता है, लेकिन सर्दी के महीनों (अक्तूबर-मार्च) में मानसून की वापसी से वायु गति और तापमान कम होने के कारण पृथ्वी की सतह पर वायु प्रदूषण का घनत्व बढ़ जाता है। पराली जलाने के अलावा, दिल्ली के वायु प्रदूषण के लिए अन्य कारक—वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्य से उठने वाली धूल आदि मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। प्रदूषण में पराली जलाने की महीनेवार हिस्सेदारी अलग-अलग होती है। नवंबर में यह लगभग 30 प्रतिशत और बाकी महीनों में मात्र 0–5 प्रतिशत तक सीमित रहती है। अतः वायु प्रदूषण के लिए वाहन, उद्योग और निर्माण कार्य जैसे स्थानीय कारक अधिक जिम्मेदार हो सकते हैं।

न्याय न देने वाला न्यायिक तंत्र, प्रक्रिया सुदृढ़ नहीं हुई तो विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में हो सकती है कठिनाई

> कुछ कानूनी फर्मों ने एआइ का उपयोग दस्तावेज तैयार करने, डाटा की समीक्षा करने आदि में अवश्य शुरू किया है, लेकिन अभी वह पर्याप्त तरीके से नहीं हो रहा है। अच्छा यह होगा कि एआइ के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए और ई-कोर्ट परियोजना पर इस तरह से अमल सुनिश्चित किया जाए, ताकि लंबित मामलों के तेजी से निपटारे में मदद मिले। इससे आम लोगों एवं निवेशकों को राहत मिलेगी और इसके नतीजे में आर्थिक प्रक्रिया को बल मिलेगा।

पिछले दिनों कमर्शियल ट्रिब्यूनलों यानी वाणिज्यिक न्यायाधिकरणों की शिथिल न्याय प्रक्रिया को लेकर दक्ष संस्था ने जो रिपोर्ट जारी की, वह आंखें खोलने वाली है। इस रिपोर्ट के अनुसार एनसीएलटी, एनसीएलएटी, डीआरटी, आइटीएटी, टीडीसैट, सैट आदि में कुल 3.56 लाख मामले लंबित हैं। इन लंबित मामलों में 24.72 लाख करोड़ रुपये फंसे हैं। यह राशि 2024-2025 की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 7.48 प्रतिशत है।

इसका सीधा मतलब है कि इन लंबित मामलों के कारण देश का आर्थिक विकास प्रभावित हो रहा है। न्यायपालिका से इतर न्यायाधिकरणों की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि कंपनी और अन्य वित्तीय मामलों का निपटारा समय पर विशेष दक्षता वाले न्यायाधीश कर सकें। वित्तीय मामलों का समय पर निपटारा कर आर्थिक प्रशासन को सुगम बनाने, निवेशकों का भरोसा बनाए रखने के साथ इन न्यायाधिकरणों की स्थापना का एक अन्य उद्देश्य सामान्य अदालतों का बोझ कम करना भी था।

थिंक टैंक दक्ष की रिपोर्ट इंगित करती है कि न्यायाधिकरणों की स्थापना जिन उद्देश्यों के लिए की गई, उसे ही वे पूरी नहीं कर पा रहे हैं। अपेक्षा यह की गई थी कि न्यायाधिकरण कंपनियों, शेयर धारकों और करदाताओं के विवादों का समाधान शीघ्र करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। इसे इससे समझा जा सकता है कि नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में किसी विवाद को निपटाने की समय सीमा 330 दिन है, लेकिन मामलों के निपटने में औसतन 752 दिन लगते हैं।

इसी तरह डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल (डीआरटी) में कोई मामला निपटाने के लिए 180 दिन की अवधि तय है, लेकिन 85 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में कहीं अधिक समय लगता है। यही स्थिति अन्य ट्रिब्यूनलों की भी है। स्पष्ट है कि न्यायाधिकरणों के स्थापित होने का जो लाभ मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल पा रहा है। समस्या केवल यह नहीं कि न्यायाधिकरण समय पर विवादों का निपटारा नहीं कर पा रहे हैं।

समस्या यह भी है कि प्रायः उनके फैसलों की गुणवत्ता को लेकर प्रश्न उठते हैं। वित्तीय मामले जटिल होते हैं। जटिल मामलों को सुलझाने के लिए जैसी विशेषज्ञता वाले लोगों की आवश्यकता है, कई बार उसका भी अभाव दिखता है। रही-सही कसर तय समय तक काम न होने और वकीलों के दांवपेच से पूरी हो जाती है। दक्ष की रिपोर्ट में इसका भी उल्लेख किया गया है कि न्यायाधिकरण स्टाफ की कमी का सामना कर रहे हैं और वे संविदा कर्मचारियों पर भी अधिक निर्भर हैं।

हालांकि उच्चतम न्यायालय न्यायाधिकरणों की शिथिल न्याय प्रक्रिया से अवगत है, लेकिन समस्या का निराकरण कर सकने में उसकी भी सीमाएं हैं। सरकार इस समस्या से परिचित होने के बाद भी उसका ठोस समाधान खोजने के प्रति तत्पर नहीं दिखती। हम इसकी भी अनेदखी नहीं कर सकते कि न्यायाधिकरणों की तरह सामान्य न्यायालयों में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय में करोड़ों मामलों के लंबित होने का कारण आधारभूत ढांचे और संख्याबल का अभाव तो है ही, तारीख पर तारीख का सिलसिला भी है।

समय पर न्याय न मिलने की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट के कई वर्तमान एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश अपनी चिंता प्रकट करते रहते हैं। ऐसी ही चिंता कार्यपालिका और विधायिका के लोग प्रकट करते रहते हैं। कभी न्यायपालिका के लोग न्याय में देरी की समस्या का ठीकरा सरकार पर फोड़ते हैं तो कभी सरकार के लोग न्यायपालिका पर। यह समझा जाना चाहिए कि एक-दूसरे के पाले में गेंद डालने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

इस समस्या का समाधान तब होगा, जब सरकार और न्यायपालिका, दोनों ही अपनी-अपनी हिस्सेदारी की जिम्मेदारी का निर्वाह करने के लिए आगे आएंगे। दोनों ही पक्षों को समन्वय कायम कर समस्या का समाधान खोजना चाहिए, लेकिन अभी ऐसा होता हुआ दिखता नहीं। इसके दुष्परिणाम वे लोग भुगत रहे हैं, जिनके मामले न्यायालयों अथवा न्यायाधिकरणों में फंसे हुए हैं।

इससे इन्कार नहीं कि देश लगातार आर्थिक प्रगति कर रहा है। यह मानने के भी अच्छे-भले कारण हैं कि हम अगले दो-तीन दशक में विकसित देश के लक्ष्य के करीब होंगे, लेकिन विकास की इस यात्रा में यदि न्यायिक प्रक्रिया सुदृढ़ नहीं हुई तो गंतव्य तक पहुंचने में और देर हो सकती है। न्याय प्रक्रिया आर्थिक विकास में सहायक बननी चाहिए, लेकिन वह देर से दिए जाने वाले निर्णयों के कारण अक्सर बाधक बनती दिखती है।

न्याय मिलने में देरी से समाज के उन लोगों में तो निराशा घर करती ही है, जिनके मामले लंबित होते हैं। इसी के साथ वे लोग भी निराश होते हैं, जो यह लगातार देखते-सुनते हैं कि देश की अदालतों में समय पर न्याय नहीं मिलता। इससे न्यायपालिका के साथ-साथ शासन के प्रति भी लोगों की आस्था डिगती है। यह स्थिति किसी भी देश के लिए शुभ नहीं कही जा सकती। यह लोकतंत्र को कमजोर करने वाली स्थिति है। लोगों को समय पर सुगम तरीके से न्याय मिले, इसके लिए कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को मिलकर कदम उठाने होंगे।

आज देश के न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में मुकदमों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि तमाम आकलन बताते हैं कि मौजूदा व्यवस्था में उनका समय पर निपटारा कठिन है। न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में जितने मामलों का निपटारा होता है, उससे अधिक दर्ज हो जाते हैं। लंबित मुकदमों का निपटारा करने के लिए कुछ देशों ने एआइ के उपयोग को बढ़ावा देना शुरू किया है। अपने देश में इसे लेकर विचार-विमर्श तो हो रहा है, लेकिन अभी एआइ के समुचित उपयोग को लेकर बहुत आगे नहीं बढ़ा जा सका है।

कुछ कानूनी फर्मों ने एआइ का उपयोग दस्तावेज तैयार करने, डाटा की समीक्षा करने आदि में अवश्य शुरू किया है, लेकिन अभी वह पर्याप्त तरीके से नहीं हो रहा है। अच्छा यह होगा कि एआइ के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए और ई-कोर्ट परियोजना पर इस तरह से अमल सुनिश्चित किया जाए, ताकि लंबित मामलों के तेजी से निपटारे में मदद मिले। इससे आम लोगों एवं निवेशकों को राहत मिलेगी और इसके नतीजे में आर्थिक प्रक्रिया को बल मिलेगा। न्यायिक तंत्र को एआइ का उपयोग करने के साथ ही न्यायालयों और न्यायाधिकरणों के संसाधन को सक्षम बनाने के उपाय भी करने होंगे।

प्रेरणा

अब्दुल कलाम के 5 'लाइफ चेंजिंग' मंत्रः जो बदल देंगे आपकी किस्मत की दिशा

भारत के महान वैज्ञानिक, मिसाइल मैन और देश के 11वें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का नाम केवल विज्ञान के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि प्रेरणा, कर्म और विश्वास के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। 15 अक्टूबर का दिन जब-जब आता है, तब न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया उस व्यक्ति को याद करती है जिसने अपनी साधारण पृष्ठभूमि से उठकर असाधारण ऊंचाइयों को छुआ। वह व्यक्ति जिसने बच्चों और युवाओं के दिलों में सपने देखने की हिम्मत जगाई और बताया कि इंसान की असली ताकत उसकी सोच में होती है। यही कारण है कि इस दिन को "विश्व छात्र दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. कलाम के जीवन की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने सफलता को कभी धन, पद या प्रसिद्धि से नहीं मापा, बल्कि उसे आत्मसंतोष और समाज के उत्थान से जोड़ा। वे कहते थे कि "यदि आप किसी काम को पूरे मन, विश्वास और मेहनत से करते हैं, तो ब्रह्मांड की सारी शक्तियाँ आपके साथ काम करने लगती हैं।" उनके विचार किसी उपदेश की तरह नहीं, बल्कि अनुभव की तपिश में पिघले हुए सत्य हैं, जिन्हें जिसने भी अपनाया, उसने अपना भाग्य बदल दिया।

पहला मंत्र — "सपना वो नहीं जो सोते वक्त देखते हैं, असली सपना वो है जो हमें सोने ही न दे।"

इस वाक्य में डॉ. कलाम ने जीवन का सबसे बड़ा रहस्य छिपा दिया। जो सपना केवल नींद में आता है, वह कल्पना है, पर जो सपना आपको बेचैन कर दे, रातों की नींद छीन ले, वही असली सपना है। ऐसा सपना जो आपके भीतर आग जला दे, जो आपको तब तक शांत न रहने दे जब तक आप उसे पूरा न कर लें। यही सपना आपकी जीवन यात्रा की दिशा तय करता है। अगर कोई छात्र इस एक विचार को समझ ले, तो उसके लिए कोई भी मंजिल असंभव नहीं रहती।

दूसरा मंत्र — "अगर सूरज की तरह चमकना है, तो सूरज की तरह जलना होगा।"

यह पंक्ति केवल प्रेरणा नहीं, बल्कि जीवन का शाश्वत सिद्धांत है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। जो व्यक्ति बिना संघर्ष के ऊँचाइयों की चाह रखता है, वह ठहर जाता है। सूरज हर दिन जलता है, तभी दुनिया को रोशनी मिलती है। ठीक वैसे ही, जो व्यक्ति तपता है, मेहनत करता है, असफलताओं से डरता नहीं, वही समाज को प्रकाश देता है। यह मंत्र हमें यह सिखाता है कि कष्ट केवल परीक्षा नहीं, बल्कि निर्माण की प्रक्रिया हैं।

तीसरा मंत्र — "छोटा लक्ष्य बनाना एक अपराध है, हमेशा बड़ा सोचो।"

डॉ. कलाम का जीवन इस मंत्र का जीवंत उदाहरण था। एक छोटे से गाँव से निकलकर वे भारत के राष्ट्रपति बने — क्योंकि उन्होंने कभी सीमाओं में नहीं सोचा। जब इंसान छोटा सोचता है, तो वह अपने ही दायरे में कैद हो जाता है। लेकिन जब वह बड़ा सपना देखता है, तो पूरा ब्रह्मांड उसकी सहायता करता है। वे कहते थे कि "जब तक आपके सपने दूसरों को असंभव न लगें, तब तक वे पर्याप्त बड़े नहीं हैं।"

चौथा मंत्र — "जिसके पास आत्मविश्वास और मेहनत होती है, वो अपने सपनों को सच कर सकता है।"

डॉ. कलाम ने कभी किसी परिस्थिति को दोष नहीं दिया। वे हमेशा कहते थे कि जो अपने ऊपर भरोसा रखता है, वही दुनिया को बदल सकता है। आत्मविश्वास वह शक्ति है जो असंभव को संभव बनाती है। मेहनत वह मंत्र है जो हर बंद दरवाज़ा खोल देता है। इन दोनों के मेल से ही सपनों को हकीकत का आकार मिलता है। उनके जीवन का हर कदम इस बात का प्रमाण था कि विश्वास और परिश्रम से बड़ा कोई धन नहीं।

पाँचवाँ मंत्र — "मुश्किलें जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन उनसे हार मान लेना जीवन का अंत है।"

जीवन की राह में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है। जब मिसाइल परीक्षण असफल होते थे, तो डॉ. कलाम ने कभी किसी को दोष नहीं दिया। वे अपनी टीम के साथ खड़े रहे और कहा — "विफलता हमें मजबूत बनाती है, क्योंकि यह हमें सिखाती है कि सफलता का मूल्य क्या होता है।" हर असफलता एक सीढ़ी होती है, जो सफलता की ऊँचाई तक ले जाती है। जो हार मान लेता है, वह जीवन के असली अर्थ से दूर हो जाता है।

डॉ. कलाम का जीवन एक दीपक की तरह था जो स्वयं जलकर लाखों को रोशनी देता रहा। उन्होंने कहा था — "अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकनिष्ठ होना होगा।" यही एकनिष्ठता उन्हें मिसाइल मैन से जन-जन के प्रेरणास्रोत तक ले गई।

आज जब हम उनका जन्मदिन मनाते हैं, तो यह केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि एक संदेश भी है — कि हर इंसान के भीतर एक कलाम छिपा है, जो सपने देख सकता है, मेहनत कर सकता है, और इस दुनिया में बदलाव ला सकता है। अगर आप इन पाँच मंत्रों को जीवन में उतार लें, तो असंभव शब्द आपकी डिक्शनरी से मिट जाएगा, और आपकी किस्मत आपके हाथों में होगी — जैसे कलाम साहब ने कहा था, "आपका भविष्य वही होगा, जैसा आप उसे बनाना चाहते हैं।"

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है। आज छत्तीसगढ़ के नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, "माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें"। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है।

उधर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था। महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है। जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमर्पण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है।

वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं।

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिग को रोकने का काम भी किया जा है। जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट मे दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलो ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि, "माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थकभी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती। माओवाद एक जहरीली, खतरनाक और नरसंहार का समर्थन करने वाली विचारधारा है जिसका अंत करने के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा बल आक्रामक भी हैं और समर्पण करने वालों का स्वागत भी कर रहे हैं। पुनर्वास और पुनर्जीवन का प्रयास कर रही है। विकास को हर द्वार तक ले जा रही है जिससे आम व्यक्ति नक्सल के लाल आतंक के भय को भूल कर आगे बढ़ सके।

अभियान

दीपावली की पावन रातः जब मां लक्ष्मी स्वयं करती हैं धरती पर आगमन

दीपों की रौशनी से सजा यह पर्व केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मा की ज्योति को जागृत करने का उत्सव है। दीपावली उस क्षण की स्मृति है जब अंधकार ने प्रकाश के आगे हार मानी थी, जब भगवान श्रीराम वनवास से लौटकर अयोध्या की धरती पर पधारे थे और समस्त नगर ने दीपों से उनका स्वागत किया था। कहा जाता है कि उस रात आकाश के तारे भी दीपों के संग झिलमिलाने लगे थे, और धरती पर ऐसा प्रकाश हुआ था जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

परंतु दीपावली केवल श्रीराम की विजयगाथा नहीं है, यह उस दिव्य क्षण का प्रतीक भी है जब मां लक्ष्मी स्वयं अपने वाहन पर सवार होकर पृथ्वी पर आती हैं। जो भी घर स्वच्छ, सुसज्जित, और प्रेम से आलोकित होता है, वहां वे ठहरती हैं। जिन हृदयों में लोभ, ईर्ष्या, या अंधकार नहीं होता, वहां स्थायी लक्ष्मी का वास होता है।

इस वर्ष 20 अक्टूबर, सोमवार को जब संध्या का आकाश दीपों की लौ से सजने लगेगा, तब एक अदृश्य ऊर्जा पूरे वातावरण में फैलेगी। ऐसा कहा जाता है कि दीपावली की रात्रि केवल पूजन की नहीं, बल्कि आत्म-संवाद की रात होती है। यह वह समय होता है जब ब्रह्मांड के द्वार खुले होते हैं और ईश्वर की कृपा सहज रूप से प्रवाहित होती है। जो व्यक्ति उस क्षण अपने भीतर की रोशनी को प्रज्ज्वलित कर लेता है, उसे जीवन में कभी अंधकार नहीं घेर पाता।

इस पावन दिन की शुरुआत प्रातःकाल तुलसी पूजन से करनी चाहिए। तुलसी केवल एक पौधा नहीं, वह स्वयं श्रीहरि की संगिनी है। तुलसी का हर पत्ता विष्णु के चरणों में समर्पण का प्रतीक है। जब कोई भक्त दीपावली की सुबह तुलसी को जल चढ़ाता है, घी का दीपक जलाता है, तुलसी चालीसा और "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जप करता है, तो उसके चारों ओर दिव्य संरक्षण कवच बनता है। यह जप केवल शब्द नहीं, एक स्पंदन है जो ब्रह्मांड के केंद्र तक पहुँचता है और वहीं से कृपा की किरणें लौटकर उस व्यक्ति के जीवन को आलोकित करती हैं।

शास्त्रों में कहा गया है कि दीपावली

की संध्या त्रिगुणात्मक संतुलन का क्षण होती है — जब सत्व, रज, और तम तीनों एक सूक्ष्म संगम बनाते हैं। इसी क्षण में जब मनुष्य दीप जलाकर कहता है "तमसो मा ज्योतिर्गमय", तब उसका आत्मिक पुनर्जन्म होता है। हर दीपक केवल तेल और बाती से नहीं जलता, उसमें श्रद्धा का ईंधन और विश्वास की लौ होती है।

संध्या होते ही घर के द्वार पर घी के दीपक जलाएं, ध्यान रखें कि हर कोना उजाला पाए। जहां प्रकाश नहीं पहुँचता, वहां नकारात्मकता निवास करती है। मुख्य द्वार पर कमल पुष्प रखें, और मां लक्ष्मी का ध्यान करें। मन में कल्पना करें कि वे कमलासन पर विराजमान हैं, उनके चारों हाथों से स्वर्ण की नहीं, कृपा की वर्षा हो रही है — एक हाथ से धन, दूसरे से ज्ञान, तीसरे से करुणा और चौथे से शांति।

पूजा के समय पहले विघ्नहर्ता श्री गणेश का आह्वान करें। उन्हें दूर्वा और मोदक अर्पित करें, और फिर मां लक्ष्मी का शृंगार करें। उन्हें लाल वस्त्र पहनाएं, सुगंधित पुष्प चढ़ाएं, दीप और धूप से आराधना करें। लक्ष्मी मंत्र "ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः" का जाप करते हुए मन में यह संकल्प लें कि आपके घर में केवल धन ही नहीं, धर्म, शांति और प्रेम का वास हो।

पूजा के पश्चात तुलसी के पौधे के समीप दीपक अवश्य जलाएं। यह दीप श्रीहरि विष्णु को समर्पित होता है। शास्त्रों में कहा गया है कि जब यह दीप जलता है, तो तुलसी की सुगंध और दीप की ज्योति मिलकर सीधा वैकुंठ लोक तक पहुँचती है, और भगवान विष्णु उस भक्त के घर में अपनी अदृश्य उपस्थिति से आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

रात्रि में कुछ क्षण ध्यान लगाकर मौन रहें। दीपक की लौ को देखिए — उसमें केवल आग नहीं, ब्रह्मांड की धड़कन है। यह वही लौ है जो प्राचीन काल से ऋषियों के ध्यान का केंद्र रही है। इस क्षण यदि आप मन से ईश्वर का नाम लें, तो आपकी हर प्रार्थना सीधे ब्रह्म तक पहुँचती है।

कहा गया है कि दीपावली की रात वह दुर्लभ क्षण होती है जब लक्ष्मी और विष्णु दोनों साथ में पृथ्वी पर विचरण करते हैं। जो घर उस रात प्रकाश, भक्ति और सच्चाई से भरा होता है, वहां वे दोनों कुछ क्षण अवश्य ठहरते हैं। जिस आत्मा में लोभ, क्रोध या छल नहीं होता, वहां स्थायी सुख निवास करता है।

जब अंतिम दीपक जलाकर आप यह प्रार्थना करें — "हे मां लक्ष्मी, मेरे घर में धन आए पर अहंकार न आए; सफलता आए पर विनम्रता बनी रहे; प्रकाश आए पर किसी का अंधकार न बने" — तब समझ लीजिए कि आपने सच्ची दीपावली मना ली है।

दीपावली का अर्थ केवल सोना-चांदी या मिठाई नहीं है, यह अपने भीतर की ज्योति को पहचानने का पर्व है। जब आप इस रात भीतर और बाहर दोनों में दीप जलाते हैं, तभी सच्ची दिव्यता प्रकट होती है — और मां लक्ष्मी के साथ श्री हरि विष्णु की कृपा सदा आपके जीवन में बनी रहती है।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

दीवाली और नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ

त्योहारों में **स्वदेशी** अपनाएँ,
विकसित भारत का दीप प्रज्वलित करें और
आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें

श्री नरेन्द्र मोदी,
माननीय प्रधानमंत्री

हर घर स्वदेशी
घर-घर स्वदेशी

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल,
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

स्वदेशी को अपना स्वाभिमान बनाकर भारत को विकास से प्रदीप्त करें।
- श्री हर्ष संघवी, माननीय उपमुख्यमंत्री

बिहार चुनाव में पीएम मोदी की एंट्री, कर्पूरी गांव से 24 अक्टूबर को शुरू करेंगे चुनावी अभियान

(जीएनएस)। पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में अब भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के प्रचार अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एंट्री से नई गति मिलने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी 24 अक्टूबर को अपने चुनावी अभियान की शुरुआत बिहार के समस्तीपुर जिले के कर्पूरी गांव से करेंगे, जो भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर का जन्मस्थान है। इसी दिन वे अपनी पहली जनसभा को संबोधित करेंगे, जिससे राज्यभर में एनडीए के चुनावी माहौल को गति मिलने की उम्मीद की जा रही है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और उनके योगदान को नमन करते हुए बिहार के विकास के नए संकल्प के साथ एनडीए का चुनाव अभियान आरंभ करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री समस्तीपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और उसी दिन बेगूसराय में भी एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करेंगे।

कार्यक्रमों की रूपरेखा के अनुसार, पीएम मोदी 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा में भी रैलियां करेंगे। नवंबर के पहले सप्ताह में वे सासाराम, पटना और भागलपुर में जनसभाएं कर सकते हैं। उनके लगातार बिहार दौरे से एनडीए के कार्यकर्ताओं में उत्साह है और पार्टी का संगठन चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का बिहार से विशेष लगाव रहा है और उन्होंने हमेशा राज्य को केंद्र की योजनाओं में प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि एनडीए एकजुट है, जबकि विपक्षी महागठबंधन में उम्मीदवारों को लेकर अंदरूनी मतभेद और असहमति का माहौल है। जायसवाल ने आरोप लगाया कि महागठबंधन में टिकट वितरण में पैसों का खेल चल रहा है और जनता इस भ्रष्टाचार को अच्छी तरह समझ रही है।

उन्होंने कहा कि एनडीए का एजेंडा विकास, सुशासन, युवाओं को रोजगार, महिलाओं का सशक्तिकरण और किसानों के हित पर आधारित है। बिहार की जनता प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर भरोसा करती है और एनडीए के नेतृत्व में राज्य में स्थिर और विकासमुखी सरकार देखना चाहती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों से बिहार चुनावी समीकरणों पर गहरा असर पड़ेगा। 2019 और 2020 के चुनावों की तरह इस बार भी मोदी फैक्टर एनडीए के पक्ष में हवा बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। वहीं, विपक्षी महागठबंधन भी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने को मजबूर होगा।

कर्पूरी ठाकुर की कर्मभूमि से चुनावी शुरुआत करना भाजपा के लिए एक प्रतीकात्मक और रणनीतिक कदम माना जा रहा है। यह संदेश देने की कोशिश है कि पार्टी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के नारे को व्यवहारिक रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार की राजनीतिक जमीन पर मोदी की एंट्री के साथ ही मुकाबला अब सीधे एनडीए बनाम महागठबंधन की दिशा में मुड़ गया है। सभी की निगाहें 24 अक्टूबर की उस पहली रैली पर टिकी हैं, जो बिहार चुनाव का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है।

मेक इन इंडिया का दम: मोजांबिक में दौड़ेगा बनारस का स्वदेशी 3300 एचपी इंजन, बरेका की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि से बढ़ा भारत का मान

(जीएनएस)। वाराणसी। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बरेका) ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। बरेका ने 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत 3300 हॉर्स पावर का अत्याधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक इंजन मोजांबिक को सौंपा है। यह इंजन न केवल भारत की रेल तकनीक की ताकत दिखाता है, बल्कि यह विश्व बाजार में भारतीय निर्माण कौशल की बढ़ती साख का भी प्रमाण है। यह चौथा एसी-एसी इंजन है जो मोजांबिक के रेलवे नेटवर्क के लिए भेजा गया है। कुल 10 इंजनों के इस अनुबंध में शेष छह इंजन दिसंबर 2025 तक भेजे जाने हैं। रेका के जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि यह इंजन 3300 हॉर्स पावर की क्षमता वाला है और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से सहजता से दौड़ सकता है। इसमें आधुनिक एर्गोनोमिक कैब डिजाइन, जीपीएस आधारित नियंत्रण प्रणाली, ऊर्जा कुशल ब्रेकिंग सिस्टम, और चालक दल के लिए विशेष सुविधाएं जैसे रेफ्रिजरेटर, हॉट प्लेट, मोबाइल चार्जिंग स्लॉट और शौचालय जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं दी गई हैं।

राजेश कुमार ने यह भी बताया कि इस अनुबंध की नींव बरेका के पहले से मोजांबिक को भेजे गए छह इंजनों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर टिकी है। 3000 एचपी क्षमता वाले उन इंजनों ने मोजांबिक के कठिन रेल मार्गों पर शानदार प्रदर्शन किया, जिससे मोजांबिक रेलवे ने भारत पर दोबारा भरोसा जताया।

यह उपलब्धि न केवल बरेका के लिए गौरव का विषय है, बल्कि भारत की निर्यात क्षमता और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का भी प्रतीक है। बरेका द्वारा निर्मित इंजन अब एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कई देशों में सफलतापूर्वक चल रहे हैं।

रेलवे मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि यह निर्यात भारत के "मेक इन इंडिया" और "वोकल फॉर लोकल" अभियानों को वैश्विक पहचान दिला रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय तकनीक अब केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

वाराणसी के बरेका कारखाने की यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की नीति की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। इससे भारत न केवल उच्च गुणवत्ता वाले रेल इंजनों के निर्माण में आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी 'मेड इन इंडिया' की प्रतिष्ठा को सशक्त बना रहा है।

मोजांबिक रेलवे ने इस साझेदारी को भारत की इंजीनियरिंग दक्षता का उदाहरण बताया है और भविष्य में बरेका से और इंजनों की खरीद की संभावना जताई है। यह उपलब्धि भारत के औद्योगिक इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हो रही है, जिसने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब 'निर्माण' नहीं, बल्कि 'नवाचार' का भी पर्याय बन चुका है।

अमेरिका में गैंगस्टर हैरी बॉक्सर पर फायरिंग, रोहित गोदारा गैंग ने ली जिम्मेदारी, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को दी खुली चेतावनी

(जीएनएस)। सोनभद्र। भारतीय गैंगस्टरों की दुश्मनी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुकी है। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में रविवार देर रात कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी माने जाने वाले हैरी बॉक्सर पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर रोहित गोदारा गिरोह ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार की है। गोदारा ने सोशल मीडिया पर एक धमकी भरा पोस्ट करते हुए दावा किया कि गोलीबारी कैलिफोर्निया के फ्रेस्नो शहर में हाईवे-41 के 127 एग्जिट के पास की गई थी।

गोदारा के पोस्ट के अनुसार, हमला पूरी योजना के तहत किया गया था। फायरिंग के दौरान हैरी बॉक्सर अपनी कार में मौजूद था, तभी अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। गोलीबारी में बॉक्सर का एक साथी मौके पर ही मारा गया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि हैरी बॉक्सर फायरिंग के दौरान कार की सीट के नीचे छिप गया और अपने घायल साथी को वहीं छोड़कर भाग खड़ा हुआ।

इस हमले के बाद रोहित गोदारा गैंग ने खुले शब्दों में लॉरेंस बिश्नोई और उसके समर्थकों को चेतावनी दी है। गोदारा ने लिखा कि "यह तो सिर्फ शुरुआत है, अगली बार निशाना खुद बिश्नोई होगा।" उसने साफ कहा कि जो भी व्यक्ति बिश्नोई गिरोह से जुड़ने या उसका समर्थन करने की कोशिश करेगा, उसे भी ऐसे ही अंजाम के लिए तैयार रहना होगा।

इस हमले के बाद अमेरिका में भारतीय समुदाय के बीच दहशत फैल गई है। बताया जा रहा है कि कैलिफोर्निया पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से गोलियों के कई खोखे बरामद किए हैं और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज जब्त कर ली है। फिलहाल हैरी बॉक्सर की लोकेशन का पता नहीं चल पाया है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि वह फरार हो गया है या किसी सुरक्षित ठिकाने पर छिपा हुआ है।

गौरतलब है कि रोहित गोदारा और लॉरेंस बिश्नोई के बीच पुरानी दुश्मनी है, जो पंजाब और हरियाणा की सीमा से शुरू होकर अब विदेशों तक पहुंच चुकी है। दोनों गैंगों ने कनाडा, पुर्तगाल, दुबई और अमेरिका तक अपने नेटवर्क फैला रखे हैं। इससे पहले भी कनाडा में भारतीय मूल के अपराधियों के बीच हुई फायरिंग में कई लोग मारे जा चुके हैं।

इंटरपोल और भारतीय एजेंसियों को इस ताजा हमले की सूचना मिल गई है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय जांच एजेंसियां इन गैंगों की आर्थिक लेन-देन, हथियारों की सप्लाई और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिका की स्थानीय पुलिस ने भी भारत से जुड़े इन गिरोहों की गतिविधियों पर रिपोर्ट तैयार करनी शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले भारतीय गैंग नेटवर्क के खतरनाक विस्तार की निशानी है। अमेरिका जैसे देश में इस तरह का गैंगवार न केवल सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है, बल्कि भारत की आपराधिक दुनिया के वैश्विक फैलाव को भी उजागर करता है।

फ्रेस्नो की यह गोलीबारी अब अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गई है। सोशल मीडिया पर गोदारा के पोस्ट के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े कई लोगों ने जवाबी धमकियां दी हैं। इससे यह संकेत मिल रहा है कि आने वाले दिनों में यह दुश्मनी और भी खतरनाक रूप ले सकती है। फिलहाल अमेरिकी और भारतीय एजेंसियां मिलकर इस मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

सत्ता की चाबी से ही दलितों को मिल सकती शोषण से मुक्ति: मायावती

(जीएनएस)। लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को दलित समाज के लिए सत्ता की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि केवल सत्ता की चाबी हासिल करने पर ही दलित समुदाय को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक शोषण, अन्याय और अत्याचार से मुक्ति मिल सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में चार बार सरकार बनाने का अनुभव उन्हें यह विश्वास देता है कि केवल राजनीतिक सत्ता के माध्यम से ही संरचित भेदभाव और अन्याय के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

मायावती ने यह बातें पार्टी कार्यालय में राज्यों के पदाधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कहीं। उन्होंने हाल की घटनाओं को भी गंभीर बताया, जैसे देश के प्रधान न्यायाधीश के साथ न्यायालय परिसर में हुई अप्रिय घटना और हरियाणा के एक पुलिस अधिकारी की आत्महत्या, जो संवैधानिक संस्थाओं और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों पर सरकार और जिम्मेदार संस्थानों द्वारा उचित और सख्त कदम उठाए जाने चाहिए थे, लेकिन दुर्भाग्यवश गंभीरता का अभाव दिखाई दिया। उन्होंने इसे कानून और व्यवस्था के लिए खतरे के रूप में बताया। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी किसी पूंजीवादी स्वार्थ या धन्नासेठों के सहारे नहीं चलती। बसपा एक मानवतावादी, कल्याणकारी और डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा पर आधारित पार्टी है, जो समाज के वंचित और दलित तबकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पदाधिकारियों को यह संदेश दिया कि संगठन और कार्यकर्ता गांव-गांव, मोहल्ले-मोहल्ले जाकर दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों को यह बताएं कि केवल बसपा ही उनके अधिकारों की राजनीतिक लड़ाई लड़ सकती है।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने 9 अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित यूपी के महा आयोजन की ऐतिहासिक सफलता पर मायावती को बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने भी उनके संदेश को व्यापक जनसमूह तक पहुंचाने और पार्टी के जनाधार को बढ़ाकर दलितों और अन्य पिछड़े वर्ग को सत्ता में भागीदार बनाने का संकल्प लिया। इस समर्पण और उत्साह पर मायावती ने सभी का आभार व्यक्त किया। मायावती ने सरकार पर देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा और कमजोर होती कानून व्यवस्था के लिए तीखा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संविधान के जनहित और कल्याणकारी उद्देश्यों को नजरअंदाज कर सरकारें केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ में लिप्त हैं, जिससे आम जनता और देश की स्वाभाविक विकास प्रक्रिया बाधित हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तत्काल कदम नहीं उठाए, तो इसका खामियाजा सीधे जनता को भुगतना पड़ेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता में आने के बाद ही दलित समाज को न्याय, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अपने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके उत्थान के लिए लगातार प्रयास करें और उन्हें राजनीतिक रूप से सशक्त बनाएं। उन्होंने कहा कि बसपा की कोशिश हमेशा समाज के वंचितों को अधिकार दिलाने और संविधान में निहित समानता एवं न्याय के सिद्धांतों को मजबूत करने की रही है। मायावती ने अपने भाषण में यह भी स्पष्ट किया कि बसपा अन्य पार्टियों की तरह केवल चुनावी दांव-पेंच और पूंजीपतियों के सहारे चलने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि यह एक संगठन है जो समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और उन्हें राजनीतिक सत्ता तक पहुँचाने में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि बसपा का उद्देश्य हमेशा जनता के हित में निर्णय लेना और समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित करना रहा है।

सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मायावती के निर्देशों और संदेशों को लेकर उत्साहित हैं और उन्होंने इसे दलित और पिछड़े वर्ग की सत्ता में भागीदारी बढ़ाने के लिए एक सुनहरा अवसर बताया। उन्होंने पूरे प्रदेश में पार्टी की सक्रियता बढ़ाकर जनता तक यह संदेश पहुँचाने का संकल्प लिया कि केवल सत्ता की चाबी के माध्यम से ही सामाजिक और आर्थिक अन्याय के खिलाफ स्थायी परिवर्तन संभव है।

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस परेड के दौरान हेड कांस्टेबल श्री राजेश प्रधान को पुलिस पदक प्रदान किया गया

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के लिए यह गर्व और गौरव का क्षण है कि वडोदरा मंडल के मंडल कार्यालय में कार्यरत हेड कांस्टेबल श्री राजेश प्रधान को वर्ष 2024 के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदया दवारा पुलिस पदक (Medal for Meritorious Service) से सम्मानित किया गया। माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को आयोजित 41वें रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस परेड के दौरान वलसाड में संपन्न हुए भव्य समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार श्री राजेश प्रधान को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा एवं रेल सम्पत्ति और यात्रियों की सुरक्षा हेतु समर्पण के सम्मानस्वरूप प्रदान किया गया है।

साइबर ठगी पर मीरजापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पीड़ित को लौटाई गई 1.05 लाख रुपये की पूरी रकम

(जीएनएस)। मीरजापुर। साइबर अपराधों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मीरजापुर पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने एक और मिसाल पेश की है। थाना कोतवाली कटरा क्षेत्र के रानीबाग निवासी अभिषेक यादव के खाते से धोखाधड़ी कर निकाले गए 1,05,000 रुपये की सम्पूर्ण धनराशि पुलिस ने वापस करा दी। इस कार्रवाई को जिले में एक उल्लेखनीय सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

मामला 16 जुलाई का है जब अभिषेक यादव ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने फ़ोनपे ऐप के माध्यम से तीन बार में उनके खाते से कुल 1.05 लाख की निकासी कर ली है। शिकायत मिलते ही थाना कोतवाली कटरा की साइबर सेल टीम ने जांच शुरू कर दी और तत्काल संबंधित बैंक और भुगतान प्लेटफॉर्म से संपर्क साधा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी विश्लेषण और बैंक ट्रेल की मदद से रकम को ट्रैक कर उसे अस्थायी रूप से होल्ड कराया। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए 1,05,000 की पूरी राशि अभिषेक यादव के खाते में वापस जमा कराई गई। धनराशि वापस मिलने के बाद पीड़ित अभिषेक यादव ने पुलिस का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने उम्मीद खो दी थी, लेकिन पुलिस ने ईमानदारी और तत्परता से काम कर उनका विश्वास वापस लौटाया है।

ट्रंप का हमला: कोलंबिया के राष्ट्रपति पेट्रो को बताया ड्रग तस्कर, बोले—"अमेरिका खुद करेगा कार्रवाई"

(जीएनएस)। वॉशिंगटन। अमेरिका और कोलंबिया के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें "अवैध ड्रग तस्करी में शामिल" बताया। ट्रंप ने कहा कि पेट्रो सरकार न केवल ड्रग कार्टेल को रोकने में विफल रही है, बल्कि अमेरिकी मदद का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोलंबिया ने तत्काल कदम नहीं उठाए, तो अमेरिका खुद कार्रवाई करेगा और यह कार्रवाई "अच्छे तरीके से नहीं" होगी।

फ्लोरिडा के मार-ए-लागो रिसॉर्ट में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, "गुस्तावो पेट्रो ने अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे से मिलने वाली सहायता को गलत दिशा में लगाया है। कोलंबिया में कोकीन की खेती और तस्करी अब खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। हम इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे।" ट्रंप ने यह भी कहा कि उनके नेतृत्व में अमेरिका "ड्रग तस्करी के खिलाफ युद्ध" को और आक्रामक रूप से लड़ेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में पेट्रो का वीजा रद्द कर दिया था। यह फैसला तब लिया गया जब न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान राष्ट्रपति पेट्रो ने अमेरिकी सैनिकों से ट्रंप के आदेशों को न मानने की अपील की थी। ट्रंप ने इसे "राष्ट्रीय अपमान" बताया और कहा कि कोई विदेशी नेता अमेरिका को यह नहीं सिखा सकता कि हमारे सैनिक क्या करें।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म "Truth Social" पर जारी अपने बयान में ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना ने हाल ही में कैरेबियाई समुद्र में एक पनडुब्बी को नष्ट किया, जिसमें ड्रग्स की बड़ी खेप थी। ट्रंप के मुताबिक, "इस कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए और दो गिरफ्तार हुए, जिससे 25,000 अमेरिकी नागरिकों की जान बची।" वहीं, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने ट्रंप के आरोपों को "राजनीतिक प्रोपेगैंडा" बताया और कहा कि अमेरिका को उनके देश की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। पेट्रो ने कहा, "कोलंबिया अपने कानून के अनुसार अपराधियों पर कार्रवाई करता है। पकड़े गए लोग जीवित हैं और उन पर न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।"

ट्रंप के इस बयान से अमेरिका-कोलंबिया संबंधों में नई दरार पैदा हो गई है। विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान 2026 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप की "कठोर विदेश नीति" की छवि को फिर से मजबूत करने की कोशिश है। वहीं, कोलंबिया सरकार ने इस बयान को "आंतरिक चुनावी राजनीति से प्रेरित" बताया है। कूटनीतिक हलकों में आशंका जताई जा रही है कि अगर ट्रंप फिर से सत्ता में आते हैं, तो लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की संभावना बढ़ सकती है। फिलहाल वॉशिंगटन और बोगोटा दोनों की सरकारें बयानबाज़ी के इस तूफ़ान के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं।

श्री अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन का जायजा लिया, यात्रियों से सीधे बातचीत की

(जीएनएस)। नई दिल्ली, केंद्रीय रेल, सूचना प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज आनंद विहार रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया।

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से रेलवे परिसर की स्वच्छता और प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में प्रतिक्रिया (फीडबैक) ली।

मीडिया से बातचीत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो फैलाने वालों पर कार्यवाही की जा रही हैं । साथ ही अपील की कि रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो न फैलाएं।

इस निरीक्षण के दौरान, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार और उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के बाद अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया है कि भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं के लिए किए गए ये व्यापक इंतजाम आगामी दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विक्रम संवत 2082, नूतन वर्ष के पहले दिन गांधीनगर-अहमदाबाद में नागरिकों के साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करेंगे

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दीपावली-नूतन वर्ष के अवसर पर शुभकामना-स्नेह मिलन कार्यक्रम

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विक्रम संवत 2082 के पहले दिन बुधवार, 22 अक्टूबर को नागरिकों के साथ नूतन वर्ष की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री बुधवार सुबह 7.00 बजे गांधीनगर स्थित पंचदेव मंदिर में दर्शन कर नूतन वर्ष की शुरुआत करेंगे। वे 7.30 बजे अडालज स्थित त्रिमंदिर में दर्शन-पूजन के लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री इसके बाद सुबह 8.00 बजे मंत्रिमंडल निवास संकुल स्थित कम्युनिटी सेंटर में नूतन वर्ष के अवसर पर नागरिकों के साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री सुबह 8.50 बजे राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए राजभवन जाएंगे।

श्री भूपेंद्र पटेल सुबह 10.30 बजे अहमदाबाद के शाहीबाग स्थित एनेक्सी गेस्ट हाउस में नागरिकों से नववर्ष की शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के लिए मुलाकात करेंगे।

इससे पूर्व, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सुबह 10.00 बजे अहमदाबाद स्थित भद्रकाली मंदिर जाएंगे, जहां वे भद्रकाली माता के दर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल नूतन वर्ष के दिन पूर्वाह्न 11.45 बजे शाहीबाग डफनाला स्थित पुलिस ऑफिसर्स मेस में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और उनके परिवारजनों को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए आयोजित समारोह में भी उपस्थित रहेंगे।

वड़ोदरा मंडल द्वारा टिकट जांच में कीर्तिमान

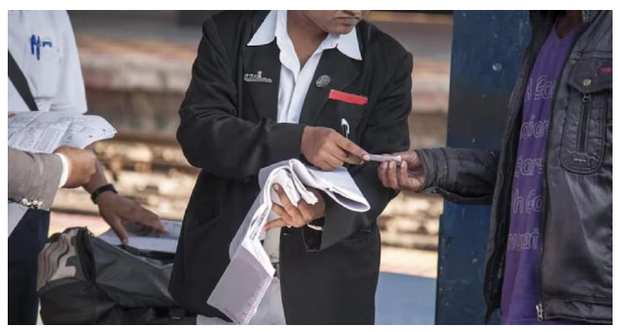

(जीएनएस)। वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के कुशल मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग की टिकट जांच टीम द्वारा 18 अक्टूबर ,2025 को सघन टिकट जांच आयोजित की गई, जिसमें दिवाली/छठ स्पेशल आदि यात्री गाड़ियों में सघन जांच कर मंडल द्वारा किसी एक दिवस पर सर्वाधिक टिकट जांच आय रु16 लाख 27 हजार अर्जित की गई। यह वडोदरा मंडल द्वारा टिकट जांच इतिहास में एक नया कीर्तिमान है।

इस दौरान कुल 2223 अनियमित यात्रा के केस दर्ज किये गए। उक्त सघन जांच आने वाले दिवसों में भी जारी रहेगी ।